ANNUAL REPORT

2023-24

SAHYOGINI

Bahadurpur (Jaina) Bokaro-829301, Jharkhand, India
PHONE: +91-06542-238366; 9431145778; 9934372731
Email: Sahyogini_gtm@rediffmail.com; sahyoginibokaro@yahoo.co.in
Website- www.sahyogini.org

सचिव की कलम से.



आप सभी को जोहार

आज हम सहयोगिणी का 23 वॉ वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित कर रहे है। 23 वॉ प्रतिवेदन प्रकाशित करते हुए हमे हर्ष महसूस हो रहा है। सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्य करते हुए हमने 23 वर्षो का सफर तय कर लिये है। इन 23 वर्षो में हमने ग्रामीण क्षेत्रो की महिलाओ को उनके अधिकार एवं महिला हिंसा को समाप्त करना, जेंडर समानता, बाल अधिकार, व्यवसायिक प्रशिक्षण, षहरी आवास विहिनों के साथ कार्य, स्वास्थ्य, कृषि और शिक्षा के क्षेत्र में हमने कार्य किये। सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यक्रमो में आम नागरिको की जुड़ाव पर हमने ध्यान दिया। ग्रामीण महिलाओं और युवाओ के विकास के लिए प्रयास किया गया है। हमारा सामाजिक सरोकार हर वर्ग के लोगो से रहा है। दलित, आदिवासी, मुस्लिम, हरिजन, पिछड़े वर्ग, मजदूर महिलाएं, युवा ,किशोर एवं किशोरियों के साथ रहा । महिला हिंसा को मूल कारण जेंडर असमानता रहा है और इसको दूर करने के लिए हमने पुरूष एवं युवाओं के समूह के द्वारा जेंडर समानता लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष हम महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सौजन्य से चाइल्ड लाइन सब सेंटर का संचालन किया जा रहा हैं जिसमें 0 से 18 वर्ष तक के बच्चे जिन्हे सुरक्षा एवं मदद की आवश्यकता है उसके लिए कार्य कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण के साथ साथ जेंडर रिसोर्स सेन्टर के माध्यम से हमने शोषित महिलाओं को को न्याय दिलाने के लिए सामाजिक एव केश वर्क पर कार्य किया। ओएनजीसी के सीएसआर के तहत लाभुक क्षेत्र में हमने कार्य किये और आम नागरिको को सुविधा प्रदान किये है। झारखंड जैव विविधता बोर्ड के सहयोग से बोकारो एवं धनबाद जिले में पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर कमिटी बनाने का कार्य किया है। महिला एसएचजी, स्वास्थ्य, निःशक्तता, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा, मतदाता जागरूकता के क्षेत्र में कई जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। सामाजिक क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी सरकारी, गैर सरकारी संगठनो, विदेशी दाता एजेंसी, मिडिया, समाजसेवियों को धन्यवाद देता हूं कि आपने हमारी संस्था को आगे बढ़ने में सहयोग प्रदान किया।

आशा है आगे भी आपका सहयोग एवं मार्गदर्शन हमें प्राप्त होगा।

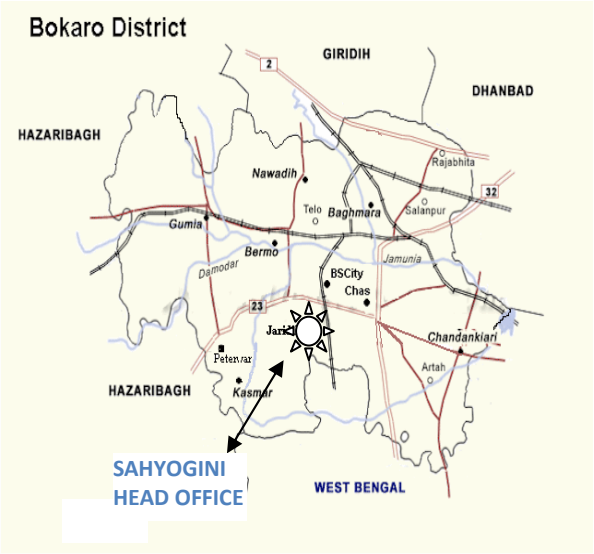
धन्यवाद सहित

(कल्याणी सागर)

सचिव, सहयोगिणी

बोकारो जिला एक परिदृश्य.....

बोकारो झारखंड प्रदेश का एक छोटा सा जिला है। जिसमे कुल 09 प्रखंड समाहित है। बोकारो जिला धनबाद, गिरीडीह, रामगढ़ और पश्चिम बंगाल से जुड़ा हुआ है। इसकी कुल जनसंख्या 2061918, पुरूष 1076270 एवं महिला 985648है। बोकारो की साक्षरता दर 73.48 हैं जिसमें पुरूष साक्षरता दर 84.50 एवं महिला साक्षरता दर 61.46 है। महिला पुरूष अनुपात की बात करे तो बोकरो जिले मे सेक्स रेशियो 916 है। (ये आंकड़े सेंसस ऑफ इंडिया 2011 से हैं) इस ओर हम सभी का ध्यान देने की आवश्यकता है। बोकारो जिला एक शिक्षा का केन्द्र है, बाहर से लोग शिक्षा प्राप्त करने के लिए बोकारो आते है। कोयले ओर शिक्षा के लिए भी यह जिला प्रसिद्व है। एक ओर यहां रोजगार के लिए बोकारो स्टील प्लांट है जिससे प्रत्यक्ष ओर अप्रत्यक्ष रूप से लोग जुड़े हुए है। यहां के लोगो का रोजगार का एकमात्र साधन कृषि है।



सहयोगिणी एक परिचय

Introduction

Sahyogini is a non-profitable and non-government organization which established on 14th April, 2001 and registered under Indian Trust Act 1882 as a charitable Trust.The group of young educated social worker has a reverence for an organization which will serve the deprived, disadvantages and weaker section of society with this psycho the group has registered a charitable trust named **'Sahyogini'** on 20th November' 2002.

Vision: - "Sahyogini concerns for the development and creation of an empowered, self-reliance and equity in society".

Mission: - Sahyogini to initiate, support and conduct research as well as action to develop and create self-reliance, empowerment and equity in society through knowledge, action and economizing available and additional resources.

Objectives

- *To aware and empowered the society about various social issues, rights, acts, government schemes and programmes, superstition, and other orthodox practices through dissemination of knowledge and information with applying technologies.*
- *To start and establish vocational training centers for literate and illiterate community in society, to make them self reliance.*

- *The priority of the organization is to manage and control the pollution with the view of natural resource and environment management i.e. waste management, recycling of waste safe disposal of toxic waste.*
- *To acquire establish, start, run or manage school, college, educational institutes, training centers, research centers, consultancy and guidance cell.*
- *The organization is awaking the society about the basic health care and to also open a primary and secondary health care unit.*
- *The organization is empathetic about the areas like rehabilitation, old aged, disability, child labor SHG, CBOs, Co-Operatives and other institutions formation and operation to serve the society, to promote sports, cultural activities,*

REGISTRATION AND OTHER DETAILS

- Sahyogini is registered as a Charitable Trust under the Indian Trust Act 1882. Registration number 5922 dated 20-11-2002
- Sahyogini is registered under Section **12A** No. CIT/HZB/Tech/12A-5/2004-05; all contributions to Sahyogini are exempted under Section 80G No. CIT/HZB/Tech/80G-20/2007-08; Income Tax Permanent Account Number AAETS4016Q.
- Sahyogini is registered with FCRA Division, Ministry of Home Affairs, Govt. of India. FCRA Registration No. 337660020
- The Executive Committee met four and more time in the financial year 2020-2021**.**
- None of the Sahyogini Executive Members are related by blood or marriage
- Travel Reimbursement made to Executive Committee Members for attending board meetings and other office meetings:

Executive Committee of Sahyogini:

Name	Designation	Gender
Suchitra singh	President	Female
Kalyani Sagar	Secretary	Female
Suryamani Devi	Treasurer	Female
Rita Devi	Member	Female
Sangita Devi	Member	Female
Amredra Anup	Member	Male
Maheshwar Mahato	Member	Male

Staff Details:

Staffs Nature	Number
Full Time	05
Part Time	19
Consultant	01
Voluntary	12

Financial Status during last year:

Financial Year	Income	Expenditure	Receipt	Payments
2023-24	99,66,059.90	99,66,059.90	1,22,07,330.16	1,22,07,330.16

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

महिला हिंसा के खिलाफ जागयकता कैंपेनः

यह अभियान 25 नवम्बर 2023 से 10 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया । इस दौरान निम्नं गतिविधियां आयोजित की गई–

- किशोरी समूह द्वारा नुक्क्ड़ नाटक का मंचन
- दिवाल लेखन
- प्रखंड स्तरीय स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक
- किशोरी कबड्डी खेल प्रतियोगिता



इस कैंपेन के दौरान नारीवादी नेतृत्व को लेकर और जेंडर आधारित हिंसा के खिलाफ जागरूकता बढी है। हमारे कार्य क्षेत्र में हो रहे महिलाओं के साथ हिंसा के खिलाफ जागरूकता आई है। कार्यक्रम से महिलाओं एवं किशोरियों में अपने आप में जो डर थी अब वो कम हो रही है, पहले किशोरियों को खुद की जरूरत के सामान को लेने के लिए अकेले बाजार जानें से डर डरती थी, लेकिन कैंपेन के बाद वो खुद हिम्मत करके अकेले निकल रही है। महिलाएं एवं किशोरियां खुद से हिंसा के खिलाफ लड़ने के लिए आगे बढ रही है, अब वो किसी से नहीं डरती है। कार्य क्षेत्र में महिलाएं एवं किशोरियां हिंसा के खिलाफ आवाज उठा रही है। किशोरीयों के द्वारा बाल विवाह के खिलाफ नुक्कड नाटक मचंन तथा किशोरी कबड्डी टुर्नामेंट तथा महिला खेल–कुद कार्यक्रम एव दिवाल लेखन कार्यक्रम से महिलाओं युवा महिलाओं और लड़कियों तथा किशोरी एव महिलाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ। इस दौरान नारीवादी नेतृत्व को लेकर जागरूकता बढ़ी। जिसके मुख्य बिन्दु यह है–

- कैंपेन के दौरान जो किशोरियां नहीं जुड पाई है उसके पिता भी इस तरह के कार्यक्रम में अपनी बेटी को शामिल करने के लिए बोल रहे है।

- कार्यक्रम को देखने के लिए आए जनप्रतिनिधि, ग्रामीण भी समय समय पर ऐसे कार्यक्रम करने और जागरूकता करने के लिए सहयोग करने आगे आ रहे है।
- जेंडर आधारित हिसां पर प्रतिभागीगण जागरूक हुए।
- जेंडर आधारित हिसां पर समझ हुई है।
- महिलाए ं एवं किशोरिया ं अपने अधिकार के प्रति जागरूक हुई है।।

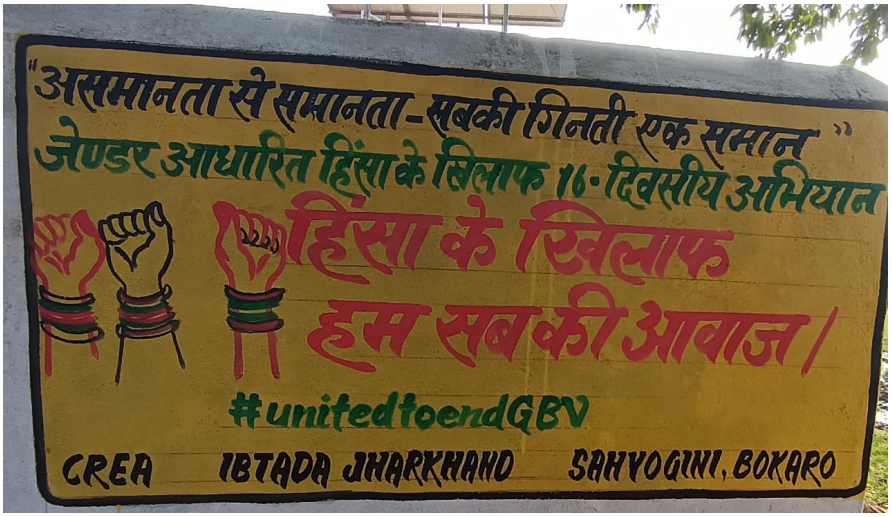


- महिलाओं व किशोरियां के साथ साथ उनके घर के पुरूषों में भी मनोबल का विकास हुआ हैं इस अभियान से अतिरिक्त उर्जा का सचांर हुआ है।
- किशोरियो व महिलाओं ं मे सकारात्मक रूप से सशक्त होगी।
- महिलाओं को खुलकर जीने का एक सशक्त वातावरण मिला।
- नुक्क्ड नाटक एवं फुटबॉल टुर्नामटें से किशोरियों के अंदर छुपी प्रतिभा को निखारने का मौका मिला।
- 16 दिवसीय अभियान से किशोरियों एव ं महिलाओं को घर से आगे बढने के लिए सहयोग प्राप्त होगा।
- असमानता से समानता– सबकी गिनती एक समान से सगकी बराबरी की बात हुई है।
- जेंडर आधरित कैंपेन चलाने से किशोरियों एवं महिलाओं के साथ साथ गांव समाज के पुरूष समुदाय भी जागरूक हुए है।



- किशोरी एवं महिलाओं के खेल कुद में हिस्सा लेने से एक नई समझ बनी है कि इच्छाओं एवं सपनों को पुरा कर सकते है।

- जेंडर आधारित भेदभाव एवं महिला हिंसा स्लोग्न से गावों के लोग काफि प्रभावित हुए है।



हमारे इस तरह के कार्यक्रम में क्षेत्र के पचांयत प्रतिनिधि, विधायक, शिक्षक, मिडिया को इस कार्यक्रम में शामिल किये जाने से उनके सोच मे बदलाव आया है। तथा जडेंर आधारित हिसां पर समझ विकसित हुई है। इन स्टेकहोडरर्स के साथ सबंधं विकसित हुआ है। जिसका असर हमारे आगामी सभी गतिविधियों पर पडेगा हमारा एक्सन प्लान है कि इन स्टेकहोल्डरर्स से तमाम भावी गतिविधियों एवं कार्यक्रम से जोडना़ तथा लगातार संपर्क रखकर जरूरतमंद को मदद पहुचांना है।

16 दिवशीय कार्यक्रम 2023 के तहत दीवाल लेखन कार्यक्रम सहयोगिनी द्वारा कसमार प्रखंड के कई गाँव में किया गया, साथ ही स्वास्थ्य केंद्र, कसमार ब्लॉक , कसमार थाना के सामने दीवाल लेखन किया गया,जिसमे महिला हिंसा, जेंडर पर स्लोगन लिखा गया, दीवाल लेखन के स्लोगन को पढ़ के एक दूसरे गाँव की किशोरी अपनी समस्या लेकर, सहयोगिनी किशोरी समूह के पास पता करते हुए आई, और अपने साथ हुए हुए हिंसा के बारे में उस ग्रुप में बताई, फिर उसके समस्या को लेकर संस्था में बात किया गया, संस्था के समन्वयक ने उसकी समस्या का समाधान किया, दीवाल लेखन का ये हमारे लिए बहुत ही अच्छा प्रतिक्रिया रखा।

16 दिवसीय कार्यक्रम के तहत सोनपुरा गाँव में, सहयोगिनी के किशोरी समूह के द्वारा, नुक्कड़



नाटक जेंडर आधारित हिंसा, घरेलु हिंसा पर पर मंचन किया गया, नुक्कड़ नाटक देखने के बाद भीड़ में शामिल एक महिला सहयोगिनी के समन्वयक से मिल के अपनी समस्या का चर्चा की, उसका हस्बैंड उसके साथ मार पिट करता था, वो अपनी मददत किससे ले उसको समझ नहीं आ रहा था, इस घुटन में वो हमेशा रहती थी, नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम को देख कर उसकी समझ बनी, तो उसमे एक हिम्मत आया की सहयोगिनी संस्था से वो मदद ले सकती है, और अपने समस्या का समाधान कर सकती हैं, कार्यक्रम के अगले दिन सहयोगिनी कार्यालय आकर आवेदन दी,उसके बाद उसके समस्या को थाना तक ले जाकर, लिखित समझौता करवा कर समाधान किया गया।

किशोरियों का फुटबॉल प्रतियोगिता

16 दिवसीय अभियान पर सहयोगिणी बोकारो द्वारा जेण्डर आाधारित ैसिा के खिलाफ जागरूकता को लेकर फुटबॉल मैदान पोण्डा, कसमार में किशोरियों के बीच फुटबॉल टुर्नामेन्ट का आयोजन किया गया जिसमें चार किशोरी टीम ने भाग लिया। इस टुर्नामेंन्ट में मुख्य अतिथि कौशल्या देवीी विधायक प्रतिनिधी गोमिया विधानसभा, पोण्डा पंचायत के मुखिया हारू रजवार, रामशय हांसदा, वार्ड सदस्य, सहयोगिणी सचिव कल्याणी सागर आदि शामिल हुए। विधायक प्रतिनिधी ने कहा कि किशोरियों के बीच फुटबॉल टुर्नामेंट संस्था के द्वारा की गई है, यह जेंडर समानता स्थापित करने की दिशा में बेहतर कदम है। उन्होने कहा कि लड़किया अब खेल के क्षेत्र में परचम लहरा रही है। इस अवसर पर उन्होने किशोरी फुटबॉल टीम को बधाई दी एवं हर संभव मदद करने की बात कही। सहयोगिणी सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि समाज और परिवार में बेटियों को भी आगे बढने के लिए हर क्षेत्र में समान अवसर मिलना चाहिए। किशोरियों के बीच खेलकूद के आयोजन होने से गांव परिवेश में लड़कियों के प्रति जो सोच बनी हुई है उसमें बदलाव आयेगा। उन्होने कहा कि 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर 2024 महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा के रूप में मनाया जाता हैं। इस वर्ष का थीम है कि जेंडर आधारित हिंसा, क्यो और कब तक। इस दौरान महिलाओं और किशोरियों के साथ कई प्रकार से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं जिससे लोगों के सोच में बदलाव आये हिंसा–भेदभाव उस पर अंकुश लगें। पोण्डा पंचायत के मुखिया हारू रजवार ने कहा कि महिलाओं तथा लड़कियों को आगे बढने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए जिससे समाज के विकास में अपनी भागीदारी निभायेगें। सुर्यमुनी देवी ने कहा कि किशोरियों को किसी कलंक, भेद–भाव और हिंसा के डर के बिना सार्वजनिक स्थानों में सुचारू रूप से आने–जाने की आजादी का ध्यान में रख कर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा का कारण है कि महिलाओं का चुप रहना एवं हिंसा सहना हैं। अपने उपर हुए हिंसा का जवाब खुलकर देना है। हम महिलाएं पीछे नही है और समाज के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। गांव की महिलाओं के प्रति जो भ्रांतियां है कि हमें सिर्फ घर की

चाहरदिरवारी के अंदर रहना है उसका हम सभी मिलकर विरोध करते है। फुटबॉल टुर्नामेंट में गर्री, सिलीसाड़म, पोण्डा किशोरी फुटबॉल टीम न भाग लिया।
इसमें सभी सफल विजेता एवं उपविजेता टीम को संस्था की ओर से उपहार दिया गया।

बाल विवाह के खिलाफ अभियानः

सहयोगिणी बोकारो जिले के कसमार प्रखण्ड के बाल विवाह के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत लडकियों का नेतृत्व क्षमता विकास के लिए 11 गॉवों में 11 किशोरियों का समूह बना हुआ है। जिसमें कुल 2280 किशोरिया सदस्य है। जिसमें चर्चा का मुख्य विषय बाल विवाह , जेन्डर –भेदभाव , घरेलुहिंसा , किशोरी स्वास्थ , एनिमिया, खेल–कुद को लेकर किया जाता रहा है। इस सब चचाओं होने के बाद लड़किया जो पहले घरो से नहीं निकलती थी, वो घरो से बाहर निकल रही है हर एक कार्यक्रम में भाग ले रही है। बाल विवाह के खिलाफ अब खुद आवाज उठा रही है। यहॉ तक कि बाल विवाह रोक भी रही है। उनकी नेतृत्व क्षमता में विकास हो रहा है। बाल विवाह के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में अब स्टेकहोल्डर से लेकर सरकारी पद्याधिकारी , पंचायती राजव्यवस्था के सदस्य भी इस कार्यक्रम में काफी सहयोग कर रहे।



किशोरियों का कंप्यूटर तथा ब्यूटीशियन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है जिसमें 80 किशोरियों ने भाग लिया जिससे कौशल का विकास हुआ है । किशोरियों के साथ पोषण माह का आयोजन किया गया है जिसमें 253 ने भाग लिया। पंचायत स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट तथा प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम में किशोरियों ने भाग लिया। सुरक्षित गर्भ समापन को लेकर के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 39 किशोरियों ने भाग लिया । पिछले वर्ष राष्ट्रीय बालिका दिवस के साथ-साथ ग्राम सभा में किशोरियों की योजनाओं को शामिल करने के लिए बैठकों का आयोजन किया गया है। किशोरी नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा गांव में बाल विवाह सहित किशोरी नेतृत्व से संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पोक्सो एक्ट तथा लाइफ स्किल पर प्रशिक्षण के साथ-साथ किशोरियों की क्षमता विकास के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों का प्रभाव यह रहा है की किशोरिया सशक्त हुई है तथा अपने समस्याओं के समाधान को लेकर के आगे बढ़ रही है।

विगत 2023-2024 वर्ष के दौरान कार्य क्षेत्र की 300 किशोरी, लड़कियों, युवा महिलाओं, छात्र-छात्राओं, अभिभावको, शिक्षकों तथा तमाम स्टेकहोल्डरों के साथ कार्य किया गया। किशोरी लड़कियों के साथ लगातार संपर्क एवं क्षमता विकास के लिए मासिक बैठक, गांव स्तर पर खेल एवं शाररिक क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत फुटबॉल/कबड्डी क्लब बनाकर लड़कियों को जोड़ा गया। कुपोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, एसआरएचआर, सुरक्षित गर्भपात, एनिमिया, बाल अधिकार, पोषण, लाईफ स्कील पर प्रशिक्षण दिया गया। नुक्कड़ नाटक का प्रशिक्षण एवं गांव स्तर पर उसका मंचन किया गया। किशोरी- लड़कियों के लिए स्कील सह कोचिंग सेंटर का संचालन जैसे - कम्प्यूटर, सोशल मिडिया-ऑनलाईन, लाह चूड़ी निर्माण एवं सरकारी संसथानो में नौकरी के लिए कार्य किया गया। कुपोषण की समस्या से निदान हेतु माता-पिता एवं अभिभावक के साथ मिलकर किचेन गार्डन को विकसित करने का कार्य किया गया। सरकारी पदाधिकारी के साथ इंटरफेश मिंटग , लड़को के साथ जेण्डर एवं बाल विवाह की रोकथाम के विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षको के साथ बाल विवाह कानून एवं शिक्षा के अधिकार पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। साथ ही इस दौरान किशोरियों को पंचायत की योजनाओं में भागीदारी हेतु ग्राम सभा का आयोजन पंचायत में किया गया। कौशल विकास हेतु कंप्यूटर प्रशिक्षण तथा ब्यूटीशियन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। किशोरियों को पोक्सो कानून पर प्रशिक्षण देकर सशक्त





किया गया। इस वर्ष क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किशोरियों के क्षमता का विकास करने का कार्य किया गया है।

इस गतिविधि का परिणाम यह है कि इन 11 गांव में किशोरियों का एक सशक्त नेटवर्क विकसित हुआ है। तथा किशोरी लीडर्स गांव की रिसोर्स पर्सन के रूप में विकसित हुई है। इनके द्वारा सरकार की योजनाओं से संबंधित आवेदन इकट्ठा करना, किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आवेदन पत्र तैयार करना तथा सरकार की योजनाओं की जानकारी अपने अभिभावक को सहित गांव के दूसरे लोगों को दिया जाता है। पिछले 12 माह के दौरान 123 किशोरी बैठक का आयोजन किया गया है जिसमें 2829 किशोरियों ने भाग लिया है। इसके साथ ही किशोरियों का कंप्यूटर तथा ब्यूटीशियन पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है जिसमें 80 किशोरियों ने भाग लिया जिससे कौशल का विकास हुआ है । किशोरियों के साथ पोषण माह का आयोजन किया गया है जिसमें 253 ने भाग लिया। पंचायत स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट तथा प्रखंड स्तरीय कार्यक्रम में किशोरियों ने भाग लिया। सुरक्षित गर्भ समापन को लेकर के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 39 किशोरियों ने भाग लिया । पिछले वर्ष राष्ट्रीय बालिका दिवस के साथ-साथ ग्राम सभा में किशोरियों की योजनाओं को शामिल करने के लिए बैठकों का आयोजन किया गया है। किशोरी नुक्कड़ नाटक टीम के द्वारा गांव में बाल विवाह सहित किशोरी नेतृत्व से संबंधित नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इसके साथ ही पोक्सो एक्ट तथा लाइफ स्किल पर प्रशिक्षण के साथ-साथ किशोरियों की क्षमता विकास के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इन कार्यक्रमों का प्रभाव यह रहा है की किशोरिया सशक्त हुई है तथा अपने समस्याओं के समाधान को लेकर के आगे बढ़ रही है।

पिछले 12 महीने में 62 स्कूली शिक्षकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से हमने कार्यक्रम किया है। जो स्वास्थ्य, पोषण , बाल विबाह अधिनियम तथा RTE पर शिक्षकों के साथ रिफ्रेशर प्रशिक्षण था। जिसका आयोजन हमने कसमार में किया है । इस कार्यक्रम के दौरान 62 शिक्षक उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान किशोरी स्वास्थ तथा उनके पोषण को लेकर के जानकारी दी गई। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि किशोरी एवं किशोर के बीच जो जेंडर गैप है उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा। स्कूल में दोनों को एक ही नजर से देखा जाता है, आगे इस पर और भी ध्यान दिया जाएगा । लड़कियों को त्साहित करने के लिए उन्हें



विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में जोड़ा जाएगा , ताकि उन लोगों का मनोबल हमेशा ऊंचा रहे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत जो भी नियम है उसका पालन करते हुए किशोरी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात शिक्षकों ने कही । उन्होंने कहा कि शिक्षकों को
इस संबंध में आज तक किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं मिला था। स्कूलों में लड़का -लड़की के बीच किसी प्रकार का भेदभाव पूर्ण रवैया नहीं अपनाया जाता है । और भविष्य में भी इस पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। स्कूल में लड़कियों का ड्रॉप आउट होने से बाल विवाह होने की आशंका बढ़ जाती है जिस पर विशेष ध्यान देने की सहमति बनी। इस मामले पर स्कूली शिक्षक ज्यादा ध्यान रख सकते हैं तथा इस स्कूल में बाल विवाह की सूचना होने पर इसकी जानकारी चाइल्डलाइन टीम या सरकारी पदाधिकारी , पुलिस के पास भी की जा सकती है ।
स्टेकहोल्डर्स तथा सीधे नेताओं यानी समुदाय के बुजुर्ग, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्थानीय सामुदायिक कार्यकर्ता, सरकारी अधिकारी, धार्मिक नेता, पुलिस, के साथ विगत 1 वर्ष में 60 प्रतिभागी के साथ बैठक की गई हैं जिसमे 32 प्रतिभागी, तथा निगरानी समूह का फेडरेशन इन बैठकों में स्थानीय स्टेकहोल्डर तथा सरकारी पदाधिकारियों का इस परियोजना के प्रति सकारात्मक रवैया है। बाल विवाह तथा किशोरी नेतृत्व को बढ़ाने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यक्रम से जोड़ने का कार्य किया है। जिसके तहत सभी गांव में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में किशोरियों को जोड़ा जा रहा है । स्टेकहोल्डर मीटिंग के दौरान किशोरियों का नेतृत्व विकास के लिए पंचायत स्तर पर ग्राम सभा में योजनाओं में किशोरी तथा महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के प्रमुख स्टेकहोल्डर पुलिस प्रशासन का बाल विवाह रोकने में इस वर्ष काफी सहयोग रहा है जिसके तहत 15 बाल विवाह को रोका गया है तथा घरेलू हिंसा के मामले में कार्रवाई की गई है। कुल मिलाकर स्टेकहोल्डर्स इस कार्यक्रम में सहायक सिद्ध हुए हैं।
पिछले 12 महीने में हमने अपने कार्य के दौरान झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन मिशन तथा स्थानीय समुदाय आधारित संगठनों के साथ-साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा तथा युवा एवं किशोर इस परियोजना में काफी मददगार शामिल हो रहे हैं जैसा कि किशोरी उसी रिवार की सदस्य है जिस परिवार में महिला एवं उसके भाई किशोर या युवा भी रहते हैं । इनके साथ भी बाल विवाह के मुद्दे को लेकर के विशेष रूप कार्यक्रमों में शामिल कराया जा रहा है। बाल विवाह तथा किशोरी नेतृत्व के मुद्दे पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं तथा युवा किशोर को इस कार्य से जोड़ दिया गया है।
हमारे कार्य क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव यह देखने को मिलता है कि किशोरियों का नेतृत्व क्षमता विकसित हुआ है । जिसके परिणाम स्वरूप परिवार की सोच में बदलाव हो रहा है । कार्य क्षेत्र के 67 लड़कियां इस वर्ष उच्च शिक्षा के लिए नामांकन कराई है । यह बदलाव किशोरी समूह का गठन के साथ उनका लगातार बैठक करने से माता-पिता तथा अभिभावक के साथ लगातार संपर्क एवं कार्य किए जाने के कारण हुआ है। सरकार की योजनाओं के लिए आवेदन पत्र जमा करना तथा फॉलो अप कार्य लड़कियां कर रही है। जिससे परिवार के लोग खुश हैं।

समुदाय के भीतर शक्ति स्थानांतरित करने का तरीका यह है कि किशोरी लीडर्स का नेतृत्व क्षमता का विकास किया गया है। जिनके द्वारा अपने घर परिवार में निर्णय लेने के दौरान उनके द्वारा चर्चा किया जाता है। साथ ही सरकार के विभिन्न सामाजिक योजनाओं से परिवार कैसे लाभान्वित हो इस पर किशोरियों कार्य कर रही है ।इस वर्ष 78 किशोरियों ने सरकार की योजनाओं में अपने परिवार का सहयोग किया तथा उसके लिए सरकारी विभाग में आवेदन दिया तथा संबंधित पदाधिकारी से संपर्क कर योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया है। इस प्रकार परियोजना के प्रयास से परिवार के भीतर बौद्धिक शक्ति प्रदान की जा रही है, जिससे उन परिवारों में लाभ मिल पा रहा है। इसके साथ ही पंचायत स्तर पर आयोजित ग्राम सभाओं में ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान के दौरान किशोरियों के अभिभावक तथा माता-पिता शामिल हो रहे हैं तथा किशोरियों के संवर्धन से संबंधित योजनाओं को लागू करने का दबाव बन रहा है । जिसके परिणाम स्वरुप कई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण भी हुआ है।

इस कार्यक्रम के आयोजन के दौरान सबसे बड़ी चुनौती यह निकलकर आई है की किशोरियों के पास घरेलू कार्य तथा स्कूली शिक्षा के बाद समय का काफी अभाव है। जिस कारण परियोजना की गतिविधियों को पूरा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। जिसका हल निकालने के लिए किशोरियों के साथ बैठक के दौरान निर्णय लिया गया की स्कूल में छुट्टी के दिन का उपयोग उनके प्रशिक्षण एवं बैठक में किया जाएगा। जिसके तहत बाकी की गतिविधियों का आयोजन उनके अवकाश के दिनों में किया गया। इसी प्रकार लड़कियों के माता-पिता तथा अभिभावकों को रोजगार के कारण बाहर जाना पड़ता है तथा वे लोग कार्यक्रम एवं बैठकों में कम समय दे पा रहे थे । जिसके परिणाम स्वरुप गतिविधि संचालन में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था। इसका हल निकालने के लिए उनके खाली समय का उपयोग किया गया तथा साप्ताहिक अवकाश के दौरान उनके साथ गतिविधि की गई है।



पिछले 12 महीने में 62 स्कूली शिक्षकों के साथ प्रत्यक्ष रूप से हमने कार्यक्रम किया है। जो स्वास्थ्य, पोषण , बाल विबाह अधिनियम तथा RTE पर शिक्षकों के साथ रिफ्रेशर प्रशिक्षण था। जिसका आयोजन हमने कसमार में किया है । इस कार्यक्रम के दौरान 62 शिक्षक उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान किशोरी स्वास्थ तथा उनके पोषण को लेकर के जानकारी दी गई। इस दौरान शिक्षकों ने कहा कि किशोरी एवं किशोर के बीच जो जेंडर गैप है उसे दूर करने का प्रयास किया जाएगा। स्कूल में दोनों को एक ही नजर से देखा जाता है, आगे इस पर और भी ध्यान दिया जाएगा । लड़कियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार की

गतिविधियों में जोड़ा जाएगा , ताकि उन लोगों का मनोबल हमेशा ऊंचा रहे। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत जो भी नियम है उसका पालन करते हुए किशोरी शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात शिक्षकों ने कही । उन्होंने कहा कि शिक्षकों को इस संबंध में आज तक किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं मिला था। स्कूलों में लड़का -लड़की के बीच किसी प्रकार का भेदभाव पूर्ण रवैया नहीं अपनाया जाता है । और भविष्य में भी इस पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। स्कूल में लड़कियों का ड्रॉप आउट होने से बाल विवाह होने की आशंका बढ़ जाती है जिस पर विशेष ध्यान देने की सहमति बनी। स्टेकहोल्डरर्स तथा सीधे नेताओं यानी समुदाय के बुजुर्ग, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्थानीय सामुदायिक कार्यकर्ता, सरकारी अधिकारी, धार्मिक नेता, पुलिस, DLSA के साथ विगत 1 वर्ष में 58 प्रतिभागी के साथ बैठक की गई हैं. इन बैठकों में स्थानीय स्टेकहोल्डर तथा सरकारी पदाधिकारियों का इस परियोजना के प्रति सकारात्मक रवैया है। बाल विवाह तथा किशोरी नेतृत्व को बढ़ाने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यक्रम से जोड़ने का कार्य किया है। जिसके तहत सभी गांव में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में किशोरियों को जोड़ा जा रहा है । स्टेकहोल्डर मीटिंग के दौरान किशोरियों का नेतृत्व विकास के लिए पंचायत स्तर पर ग्राम सभा में योजनाओं में किशोरी तथा महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया है। इस परियोजना के प्रमुख स्टेकहोल्डर पुलिस प्रशासन का बाल विवाह रोकने में इस वर्ष काफी सहयोग रहा है जिसके तहत 19 बाल विवाह को रोका गया है तथा घरेलू हिंसा के मामले में कार्रवाई की गई है।

उमंग परियोजना के तहत बाल विवाह रोक–थाम कार्यक्रमः

1. प्रशिक्षण कार्यक्रमः

ICRW द्वारा जामताडा के गांधी आश्रम केवटजाली स्थान में दिनांक 3 त्था 4 जनवरी 2024 को नुक्कड़ नाटक टीम सदस्यों सहित कार्यक्रम में शामिल सुपरवाजरों का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबांधित करते हुए ICRW के शक्ति घोष, उमंग परियोजना ने कहा कि बाल विवाह को समाप्त करने का एक सशक्त माध्यम नुक्कड़ नाटक है। बाल विवाह मानव अधिकारो का उल्लंघन हैं, क्योकि युवा लड़कियों को बहुत कुछ सहना पड़ता है। जो लड़कियां 18 वर्ष से कम उम्र में मां बना जाती हैं, वे कमजोर शिशओं



को जन्म देती हैं, जिनके मृत्यु की संभावना अधिक होती हैं या फिर शिशु भविष्य में कुपोषण, मानसिक विकास या कमजोरी के शिकार होने के साथ–साथ निःशक्त भी हो सकते हैं। उन्होने कहा कि घरेलू हिंसा के साथ ही इन्हें यौन हिंसा का सामना युवा लड़कियों को करना पड़ता हैं और अधेड़ महिलाओं की तुलना में वे इस तरह की हिंसा से ज्यादा ग्रस्त होती हैं। साथ ही बाल– विवाह से बच्चे अपना बचपन खुलकर जी नही पाते और उनके अंदर की संभावनाएं बाल विवाह से कुंठित होकर रह जाती है। लडकियां अशिक्षा के कारण स्वरोजगार या जीवन में आर्थिक स्वावलम्बन की दिशा में वे आगे नहीं बढ़ पाती है। बाल –विवाह से समाज में दहेज कुप्रथा जैसे कुरीतियां समाज में व्याप्त हैं इससे महिलाओं का जीवन असहज हो जाता है। उन्होने कहा कि गोड्डा तथा जामताडा जिला में बाल विवाह के समापन हेतु जेण्डर आधरि हिंसा तथा समानता पर सहयोगिणी द्वारा 2 माह के दौरान 152 नुक्कड़ नाटको का मंचन किया जायेगा । इस दौरान ग्रामीण महिलाओं, दशकों, किशोरियों, पंचायत प्रतिनिधि आदि को बाल विवाह के परिणाम स्वरूप उत्पन्न समस्यों को समझाने सहित उनका नजरिया बदलना है। उन्होने कार्य के दौरान बाल अधिकार, बाल संरक्षण निति, महिला के अधिकार के संबंध में कडाई से नियमों का पालन करने का निर्देश दिया।

इस प्रशिक्षण के दौरान ICRW के शक्ति प्रसाद घोष द्वारा दो दिनों तक 3 नुक्कड़ नाटक टीमों के 10 कलाकारों को बाल विवाह के विषय पर प्रस्तुतीकरण पर विस्तार से बताया। उन्होने कहा कि नुक्कड़ नाटक आम जनता के बीच उनकी सोच बदलने का एंक सशक्त माध्यम है। उन्होने नुक्कड़ टीम के कलाकरों को स्थनीय भाषा पर पकड़ बनाये रखने का निर्देष दिया। नुक्कड़ टीम के कलाकरों को गांवों लोगों तथा स्कूलों में समुचित जगह एकत्रित करने के तरीके बतायें। तथा गीत–संगीत के प्रयोग के बारें में समूह चर्चा कर प्रस्तुतीकरण कराया।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में डेली रिर्पोटिग की भेजने तथा रूट चार्ट पर जानकारी भी दी गई।

2. उद्घाटन कार्यक्रमः



दिनांक 5 जनवरी 2024 को उपायुकत कार्यालय जामताड़ा, आईसीआरडब्ल्यू, सहयोगिणी एवं जिला समाज कल्याण कार्यालय, जामताड़ा के संयुक्त तत्वावधान में समाहरणालय जामताड़ा परिसर से बाल विवाह उन्मूलन तथा जेण्डर समानता हेतु उमंग कार्यक्रम

अंतर्गत नुक्कड़ नाटक टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि भूषण मेहरा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उजाले की ओर बिटिया की दौड़ अपनी पढ़ाई पूरी करो, अपने सपने को साकार करो संबंधित नारे कासाथ शपथ पत्र पर उपायुक्त, अपर समाहर्ता एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी ने हस्ताक्षर किया। मौके पर उपायुक्त ने नुक्कड़ नाटक टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा आप लोग बेहतर तरीके से बाल विवाह के खिलाफ इस अभियान को आगे बढ़ाएं तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को समझाए। उन्होंने कहा कि माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा के दौरान लड़कियों का ड्राप आउट होना मुख्य रूप से बाल विवाह को बढ़ावा देता है जो मुख्य चिंता का विषय हैं। बाल विवाह के उन्मूलन हेतु सामाजिक सहभागिता भी बहुत जरूरी है। ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच जानकारी हो एवं किशोरियों का शादी कम उम्र में नहीं हो पाए। निश्चित उम्र में उसकी शादी हो। वहीं जिले की किशोरियां सशक्त हो और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा पाएं।

वहीं उन्होंने टीम को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से महत्वाकांक्षी योजना सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के बारे में जागरूकता का प्रसार करेंगे ताकि अधिक से अधिक किशोरी को इस योजना का लाभ मिल सके एवं बच्चियां पढ़ाई की ओर अग्रसर हो सकें। वहीं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अंजु कुमारी ने बताया कि जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों के विभिन्न स्थानों सहित स्कूलों में उमंग कार्यक्रम के माध्यम से 10–18 –वर्ष की किशोरियों के साथ लिंग आधारित भेदभाव की समाप्ति एवं समाज मे लड़कियों के प्रति सकारात्मक सोच पैदा करेगी, ताकि किशोरियों के जीवन कौशल में सुधार आ सके और वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित हों। यह अभियान किशोरियों की शिक्षा प्राप्ति के महत्व और उससे जुड़े उनके जीवन में आने वाले सकारात्मक परिणामों को उल्लेख करेगा और साथ ही बाल विवाह के कुपरिणामों पर भी प्रकाश डालेगा। यह अभियान समुदाय स्तर पर उन सभी लोगों को जागरूक करेगा जो समुदाय तथा परिवार में प्रमुखता से विवाह सम्बंधित निर्णय लेते हैं। इस मौके पर उपरोक्त के अलावा अपर समाहर्ता सुरेन्द्र कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सविता कुमारी, उमंग कार्यक्रम ICRW के नसरीन जमाल परियोजना प्रमुख, शक्ति प्रसाद घोष, पारस, त्रिलोकी प्रसाद, प्रिया, तापस, अनुप, रिमी, सहयोगिणी के निदेशक गौतम सागर,, कुमार गौरव सहित दोनो नुक्कड टीम के कलाकर उपस्थित थे।

3. बाल विवाह के खिलाफ नुक्कड नाटक का मंचनः



उमंग परियोजना के तहत इस अभियान की शुरूवात जामताड़ा जिले के नाला एवं जामताड़ा प्रखंण्डों में किया गया। 5 जनवरी 2024 से शुरुआत की गई इस नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में जामताड़ा जिले के जामताड़ा प्रखंड में 55 नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। जिसमें 12072 लोगों ने नाटक देखा तथा जेण्डर समानता तथा बाल विवाह के खिलाफ

अभियान को सहमति देते हुए 1275 लोगों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। नाला प्रखंड में 39 नुक्कड़ नाटक शो किया गया। जिसको 8239 दर्शकों ने देखा तथा 949 लोगों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। नाराणपुर प्रखंड में 15 नुक्कड़ नाटक शो किया गया। जिसको 4191 दर्शकों ने देखा तथा 160 लोगों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया



इसी के साथ इस कार्यक्रम के अगली कड़ी में गोड्डा जिले के गोड्डा प्रखंड में 25 नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया । यहा दर्शकों की संख्या 6411 तथा इस प्रखंड में 489 लोगों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। इसी जिले के महागामा प्रखंड में 18 नाटक का मंचन किया गया। यहां 7600 लोगो में नाटक देखा तथा यहां 267 लोगों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर किया। इस दौरान इस नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम के दर्शकों ने नुक्कड़ नाटक में दी जा रही मैसेज को स्वीकारा तथा कार्यक्रम के दौरान उसका समर्थन भी किया। नुक्कड़ नाटक देखने वालों में गांव की महिलाएं, किशोरिया, छात्र, शिक्षक, पंचायत प्रतिनिधि, ग्रामीण कृषक सहित तमाम स्टेक होल्डर मौजूद थे । इस कार्यक्रम का लोगों ने समर्थन किया तथा कहा कि बाल विवाह रोकने का यह एक सशक्त माध्यम है। गांव में नुक्कड़ नाटक की टीम प्रवेश करते ही माइकिंग के माध्यम से बाल विवाह पर गीत संगीत प्रस्तुत किया गया था। तथा गांव तथा स्कूलों में बाल विवाह के खिलाफ उमंग परियोजना के शपथ पर हस्ताक्षर कराकर मुख्य स्थल में लगाने का काम किया गया । जिससे बाल विवाह के खिलाफ जारी मैसेज लोगों तक पहुंचे तथा बाल विवाह को रोका जा सके।

Block Wise Abstract Data

S.N	District	Block	Total Show	Male	Female	Total Population	Total pledge
1	Jamtada	Jamtara	55	5287	6785	12072	1275
		Nala	39	3002	5237	8239	949
		Narayanpur	15	2009	2182	4191	160
2	Godda	Gooda	25	2939	3472	6411	489
		Mahagama	18	3707	3893	7600	267
		Total	152	16944	21569	38513	3140

4. दर्शकों का फीडबैक:

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुतीकरण के दौरान दर्शकों का काफी फीड बैक हम लोगों को मिला। इस दौरान दर्शकों ने नुक्कड़ टीम का माइक पकड़ कर के भी अपनी भावनाएं जेण्डर समानता तथा बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को समर्थन दिया। इस दौरान तमाम स्टेक होल्डर जिसमे शिक्षक, छात्र, बाल विकास परियोजना के स्टाफ, पंचायत प्रतिनिधि ,गांव के नेता, स्वयं सहायता समूह के लीडर, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगन बाड़ी सेविका आदि ने कहा कि बाल विवाह का अंत जागरूकता के माध्यम से हो सकता है। इसके लिए किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास के लिए विभिन्न प्रकार की परियोजनाएं संचालित करने की आवश्यकता है। जिससे ड्रॉप आउट हो चुकी लड़कियां आगे बढ़ सके। इसी के साथ लोगों ने कहा कि इस कार्यक्रम बाल विवाह रोकथाम पर जनजागरूकता कार्यक्रम से हमें युवतियों में ये सुधार देखने को मिलेगा कि जो अभी शादी करने वाले थे वो कम से कम 18 वर्ष की उम्र के बाद उनका विवाह होगा। उन्होने कहा कि परिवार, व्यक्तिगत स्तर पर तथा समाजिक स्तर पर बदलाव आयेगा। गांव स्तर कार्यक्रम के प्रभाव से समुदायिक संस्था सशक्त होंगी जो बाल बिवाह को रोकेंगी। उन्होने कहा कि इस प्रकार की जानकारी दिये जाने से युवतियां शिक्षा से जुड़ाव होगा।



5. कलाकारों का अनुभव :



उमंग परियोजना के तहत गोड्डा एवं जामताड़ा जिले में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किए गए इस जागरूकता अभियान के दौरान तीन नुक्कड़ नाटक टीम लगी हुई थी। इन टीमों में कुल 10 कलाकार लगातार जुड़े हुए थे साथ ही 2 सुपरवाइजर की निगरानी में यह कार्य हुआ है। नुक्कड़ नाटक टीम के कलाकारों का इस कार्यक्रम से काफी अच्छा जुड़ाव रहा । उन्होंने अनुभव व्यक्त करते हुए बताया कि दर्शकों तक बाल विवाह जैसी कुरीति के खिलाफ जागरूकता पैदा करना इसका माध्यम बनना एक सुखद अनुभव है। कलाकारों ने कहा कि हम आगे भविष्य में अपने परिवार, अपने गांव में बाल विवाह का विरोध करेंगे। तथा

इस मुद्दे को लेकर के लोगो को भी जागरुक करने का कार्य अपने स्तर से करेंगे । कलाकारों ने अनुभव व्यक्त करते हुए कहा कि गांव में जब नुक्कड़ नाटक का मंचन किया जाता था तो लोग इतने ज्यादा भावुक हो जाते थे कि वह अपने घर में ले जाकर के अपनी व्यथा सुनाते थे। तथा बाल विवाह को रोकने के लिए शपथ लेते थे । इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों का उन्हें काफी ज्यादा सहयोग मिला । टीम के कलाकार मंटू करमाली, पायत कुमारी ने कहा दर्शकों केकार्यक्रम से जुड़ाव से सफलता मिला है। धीरेंद्र नाथ महतो, अशोक कुमार महतो, शिवरतन ठाकुर , बेनु कुमारी आदि ने बताया कि गांव में नुक्कड़ नाटक का समय एवं स्थल चयन करना उनके लिए काफी कठिन कदम था तथा इस दौरान स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों तथा ICRW के कार्यकर्ता का सहयोग काफी सकारात्मक रहा है ।

6. कार्यक्रम का प्रभावः

आईसीआरडब्ल्यू तथा सहयोगिनी के द्वारा उमंग परियोजना के तहत संचालित इस नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का प्रभाव गोड्डा एवं जामताड़ा जिले के नाला , जामताड़ा , नारायणपुर, गोड्डा एवं महागामा प्रखंड में काफी सकारात्मक रहा है । नुक्कड़ नाटक मंचन के दौरान स्थानीय समुदाय जिसमें छात्र, किशोरिया, महिलाएं, पंचायत प्रतिनिधि, शामिल थी, उन्होंने कार्यक्रम को काफी सराहा। तथा जेण्डर समानता को बाल विवाह रोकने का एक माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने से ही इसे खत्म किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों से प्राप्त फीडबैक के अनुसार बाल विवाह रोकने के लिए लोगों के बीच जागरूकता के साथ सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर संचालित विभिन्न परियोजना एवं गतिविधियों का लिंकेज स्थानीय समुदाय के साथ किए जाने की जरूरत है। नुक्कड़ नाटक का मंचन गांव के विशेष समुदाय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति ,मुस्लिम के बस्ती के बीच में किया जाने के साथ स्कूलों में किये जाने का प्रभाव यह पड़ा कि इस समुदाय के बीच सरकारी नियम कानून एवं शिक्षा से लड़कियों के जुड़ाव का मैसेज गया तथा उपस्थित दर्शकों ने शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कर बाल विवाह को रोकने का अपना समर्थन करने का वादा भी किया है। पंचायत प्रतिनिधियों ने इस दौरान अपने वक्तव्य में कहा कि बाल विवाह से लड़कियों के साथ साथ पूरा समाज बुरी तरह प्रभावित होता है । लड़कियों का स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास रुक जाता है जिस कारण जल्दी शादी होने पर उनका



शारीरिक एवं मानसिक प्रभावित होता है। नुक्कड़ नाटक मंचन को सीधे तौर पर 38513 लोगों ने देखा। तथा 3140 लोगों ने प्रतिज्ञा पत्र पर हस्ताक्षर कर शपथ ग्रहण किया, कि बाल विवाह को रोकेंगे। इससे बाल विवाह के खिलाफ तथा इसे रोकने का मैसेज लोगों के बीच में गया । इनके द्वारा अपने पड़ोसी ,अपने परिवार ,अपने गांव में मैसेज का प्रसार प्रचार हुआ। इस दौरान गांव तथा स्कूल में लगाए गए शपथ पत्र के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया है।

बाल विवाह मुक्त अभियानः

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन के सहयोग से बाल विवाह मुक्त अभियान का आयोजन इस वर्ष बोकारो जिले में सहयोगिनी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 150 गांव को बाल विवाह मुक्त करने का कार्य किया गया। तथा 30 बच्चों का रेस्क्यू किया गया जो बाल मजदूरी या ट्रैफिकिंग में लगे हुए थे।

इसी के साथ 62 बाल यौन हिंसा के मामलों में कार्रवाई की गई । पिछले 2023--24 वर्ष के दौरान 251000 लोगों को बाल विवाह नहीं करने की शपथ दिलाई गई । इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टेट होल्डर तथा ग्रामीण स्कूली बच्चों को बाल विवाह एबाल हिंसा तथा बाल दूर व्यवहार के व्यापार के बारे में जागरूक किया गया।



उपायुक्त बोकारो के निर्दाशुनार गठित जिला धावा दल द्वारा आज श्रम निरीक्षक के नेतृत्व बाल श्रमिको को विमुक्त किया गया। जिला धावा दल तथा बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शंकर रवानी ने कहा की बाल मजदूरी कराना कानूनन अपराध है, नियोक्ता पर कानूनी कारवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। श्री रवानी ने कहा कि बोकारो जिले में बाल मजदूरी तथा बाल तस्करी बर्दास्त नही की जाएगी। इस प्रकार के बाल शोषण के मामले की जानकारी कोई भी जिला टास्क फोर्स को दे सकता है। उसपर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। सीडब्ल्यूसी सदस्य प्रीति प्रसाद, श्रम परिवर्तन पदाधिकारी बसंत महतो सहयोगिनी के फुलेंद्र रविदास , अनिल कुमार हेंब्रम सामिल थे। बाल मजदूर को बाल कल्याण समिति को शोप दिया गया है। बाल कल्याण समिति विमुक्त किए गए

बाल श्रमिकों को तत्काल आश्रय के लिए बाल गृह चास भेज दिया गया है। सहयोगिनी के जिला समन्वयक फुलेंद्र रविदास ने कहा कि संस्था द्वारा पूरे जिले में बाल मजदूरी, बाल यौन हिंसा तथा बाल विवाह को लेकर सघन रूप से कार्य कर रही है तथा बच्चों के अधिकार को लेकर के संस्था एक्शन मोड पर है।

जिले के 150 गांव को बाल विवाह मुक्त गांव घोषित कर दिया गया. गांवों को बाल विवाह मुक्त गांव की घोषणा करते हुए गांव में लगातार अभियान चलाने का निर्णय लेते हुए बाल विवाह मुक्त ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया। साथ ही बाल मजदूरी,बाल व्यापार,बाल यौन शौषण जैसी बुराईयों के रोकथाम का भी निर्णय लिया गया। वही गांव का किसी बच्चे को शिक्षा से वंचित नहीं रहने के लिए बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने की बात कही गई। नियमों का उल्लघंन किए जाने पर संबंधित व्यक्ति या परिवार को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन व सहयोगिनी द्वारा जिले के 150 गांवो में सामाजिक उत्प्रेरण का कार्य करते हुए इस अभियान को चलाया जा रहा है। 150 गांवों में बाल विवाह मुक्त गांव को लेकर अभियान चलाया जा रहा है ।



पूरे देश में चल रहे “बाल विवाह मुक्त भारत” अभियान के तहत 16 अक्टूबर को मनाए गए बाल विवाह मुक्त भारत दिवस के मौके पर सहयोगिनी संस्था द्वारा बोकारो जिले मे आज 172 जगह जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में आज 73000 महिलाओं, बच्चों और आम लोगों ने शपथ ली , कि वे न तो बाल विवाह का समर्थन करेंगे और न इसे बर्दाश्त करेंगे। बड़े पैमाने पर हुए इन कार्यक्रमों में लोगों ने हिस्सा लिया और इसे सफल बनाने में योगदान दिया।

इस संबंध में सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 (एनएचएफएस-2019-21) के आंकड़ों के अनुसार पूरे देश में 20 से 24 आयुवर्ग के बीच की 23.3 प्रतिशत युवतियों का विवाह 18 वर्ष की होने से पहले ही हो गया था, जबकि में बोकारो जिले में 26.3 प्रतिशत लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की होने से पहले हो गया था।

श्रीमती सागर ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान देश के 300 से भी ज्यादा जिलों में चलाया जा रहा है। भारत से 2030 तक बाल विवाह के समग्र खात्मे के लक्ष्य के साथ पूरी तरह से महिलाओं के नेतृत्व में चल रहे इस अभियान से देश के 160 गैर सरकारी संगठन जुड़े हुए हैं। सोलह अक्टूबर को इस अभियान के एक साल पूरे हुए। इस अर्से में पूरे देश में हजारों बाल विवाह रुकवाए गए और लाखों लोगों ने अपने गांवों और बस्तियों में बाल विवाह का चलन खत्म करने की शपथ ली।

गांवों में पूरे दिन इस अभियान के समर्थन में उतरे लोगों की चहल पहल रही और इस दौरान स्कूल में शपथ ग्रहण, है में महिला समूह में शपथ ग्रहण, प्रभात फेरी जैसे तमाम कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



सूरज ढलने के बाद हजारों लोगों ने हाथों में मशाल लेकर मार्च भी किया और लोगों को जागरूक करते हुए संदेश दिया कि नए भारत में बाल विवाह की कोई जगह नहीं है। इस मार्च में स्कूली बच्चों, ग्रामीणों, धार्मिक नेताओं सहित समाज के सभी वर्गों और समुदायों के लोगों ने हिस्सा लिया। इस मार्च का मकसद गांवों और कस्बों में लोगों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूक करना था। इस दौरान विवाह समारोहों में अपनी सेवाएं देने वालों जैसे कि शादियों में खाना बनाने वाले हलवाइयों, टेंट-कुर्सी लगाने वालों, फूल माला बेचने व सजावट करने वालों, पंडित और मौलवी जैसे पुरोहित वर्ग को जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

बाल विवाह की पीड़ा से गुजरने के बाद अब इसके खात्मे के लिए अलख जगा रहीं बोकारो की सुचित्रा सिंह, अनीता झा, कल्याणी सागर, ने कहा सरकार के जागरूकता अभियान से ही बाल विवाह की समाप्ति होगी और आज हम लोग शपथ लेते हैं कि बाल विवाह का खात्मा करके रहेंगे।



सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा, "बाल विवाह वो अपराध है जिसने सदियों से हमारे समाज को जकड़ रखा है। लेकिन नागरिक समाज और झारखंड सरकार द्वारा राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति दिखाई गई प्रतिबद्धता और प्रयास जल्द ही एक ऐसे माहौल और तंत्र का मार्ग प्रशस्त करेंगे जहां बच्चों के लिए ज्यादा सुरक्षित और निरापद वातावरण होगा। इन दोनों द्वारा साथ मिल कर उठाए गए कदमों और लागू किए गए कानूनों के साथ समाज व समुदाय की भागीदारी 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत सुनिश्चित करेंगी।" पिछले 1 वर्ष के दौरान 150 लोगों को बाल विवाह नहीं करने की शपथ दिलाई गई । इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्टेट होल्डर तथा ग्रामीण स्कूली बच्चों को बाल विवाह एबाल हिंसा तथा बाल दूर व्यवहार के व्यापार के बारे में जागरूक किया गया।

कौशल विकास कार्यक्रमः

ग्रामीण महिलाओं के लिए लाख की चुड़ियां बनाने का 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम (MEDP) के तहत राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) और सहयोगिणी के सहयोग से कसमार प्रखण्ड के धधकिया एवं ठाकुरपोण्डा में स्वंय सहायता समूह के 30 ग्रामीण महिलाओं को लाख की चुडियां बनाने



का 15 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए कार्यक्रम का संचालन 24 अप्रैल 2023 को ठाकुर पोंण्डा स्थित सामुदायिक भवन में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नाबार्ड के डीडीएम के द्वारा विधिवत स्वंय सहायता समूह के महिलाओं एवं अतिथियों के बीच किया गया। इस कार्यक्रम में कसमार प्रखण्ड के पोण्डा पंचायत के मुखिया हारू रजवार, पंसस रवि कुमार, वार्ड सदस्य–09 के नीलम देवी, सहयोगिणी के कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण, प्रशिक्षक माला देवी, सहयोगिणी के सचिव कल्याणी सगर, स्वाभिमान संस्था धनबाद के अध्यक्ष सुषमा देवी, शामिल हुई। नबार्ड के डीडीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। गांव की महिलाएं अभी भी बहुत पिछड़ी हुई है वो अपने से बाजार भी नही जाती है महलिाओं को लाख की चुड़ियां बनाने की प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार से जोड़ा जाएगा। सहयोगिणी की सचिव ने कहा कि चुड़ि का प्रशिक्षण के बाद महिलाएं अपने घर में ही चुड़ि बनाकर लोकल बाजार एवं दुकान में बनाए गए चुड़ी को बेच सकती है। इस कार्यक्रम में सहयोगिणी के निदेशक गौतम सागर, शीला देवी, सुनिता देवी, संध्या देवी, अनिता देवी, रिंकी देवी, सोनी देवी, पुजा देवी, आदि शामिल हुई। इन 15 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने काफी उत्साहित के साथ भाग ली एवं प्रशिक्षण में प्रशिक्षक के द्वारा बताए गए सभी महिलाओं ने चुड़ी बनानें की विधी को बारीकी से सीखी। 15 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान महिलाए नए नए डिजाइन की चुड़ी अपने हाथों बनाई, अपने हाथ से चुड़ी बनाने के बाद सभी महिलाएं बोली कि हमलोग घर में बनाकर बाजार में बेचेंगें। सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम (MEDP) 15 दिवसीय लाख की चुड़ियां बनाने प्रशिक्षण का समापन सह प्रमाण पत्र वितरण 11 मई 2023 को आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नबार्ड के डीडीएम, पोण्डा पंचायत के मुखिया, सहयोगिणी के सचिव कल्याणी सागर, प्रशिक्षु माला देवी, कार्यक्रम समन्वयक कुमारी किरण, एनिमेटर मंजू देवी, सुर्यमणी देवी साथ में ग्रामीण महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिलाओं के द्वारा बनाए गए चड़ियों को दिखाया गया।



ठोस कचडा प्रबंधन पर स्कूल स्तरीय कार्यक्रमः

ONGC के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) कार्यक्रम के तहत बोकारो जिले में संचालित 20 विद्यालय में कचड़ा प्रबंधन हेतु स्टील डस्टबीन वितरण सह जागरूकता कार्यक्रम कार्यक्रम।

बोकारो जिले मे गोमिया तथ चंदनकियारी, प्रखंड के 20 विद्याालय में 4000 अभिवंचित परिवार की छात्र–छात्राएं पढ़ाई करते है। इतनी संख्या में एक साथ पढ़ाई के साथ साथ परिसर स्थल मे साफ–सफाई रखना भी एक चूनौति थी। साफ सफाई आज हमारी एक दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गया है। क्योकिं जहां पर स्वच्छता होगी वहीं पर ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा। इसे दूर करने के लिए बोकारो के 20 विद्याालय में ओएनजीसी के सीएसआर मद से एक–एक सेट जिसमें सूखा एवं गीला कचडा के लिए स्टील डस्टबीन अधिस्थापित की गई।



विद्यालय में छात्र रोजमर्रा की चीजें इस्तेमाल करते है और कही सुचारू स्थान नही रहने के कारण उसे जहां –तहां फेंक दिया जाता था जिससे एक तो स्थल में गंदगी फैलती थी और दूसरी ओर पर्यावरण का भी ह्रास होता था। पर्यावरण में जल, वायु प्रदूषण हो जाने से लोग खासकर स्कुल में अध्ययनरत छात्रं बीमार हो जाते थे। इन सब को रोकने के लिए बोकारो के 20 विद्यालय में स्टील डस्टबीन लगाया गया है जिसमें गीला कचड़ा एवं सूखा कचड़ा एक स्थन पर फेंकने की व्यवस्था हो गई और समस्याओं से मुक्ती मिल गई।

ठोस कचड़ा प्रबंधन पर विद्यालय स्तरीय जागरूकता कार्यक्रमः



सभी 20 विद्यालय मे ठोस कचड़ा प्रबंधन पर विद्यालय स्तरीय जागरूकता पर विद्यालय स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान ठोस कचड़ा प्रबंधन पर रिसोर्स पर्सन द्वारा जानकारी दी गई। तथा गीला कचड़ा एवं सूखा कचड़ा डस्टबीन में

अलग–अलग डालने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी को ठोस कचड़ा प्रबंधन पर बुकलेट/ब्रोसर का वितरण किया गया।

विद्यालय में डस्टबीन के उपयोग से प्राप्त लाभ–

- स्कुलों में डस्टबीन के लग जाने से स्वच्छ भारत मिशन अभियान को मजबूति मिगी।
- स्कुल परिसर में स्वच्छता दिखती है, जिससें पर्यावरण स्वच्छ हो रहा है।
- स्कुल में सूखा कचड़ा एवं गीला कचड़ा के फेंकन की व्यवस्था से ठोस कचरा प्रबंधन हो रहा है।
- स्कुली छात्र के बीच डस्टबीन के लग जाने से छात्रं स्वच्छता से जुड़े है जिससे स्वच्छता विकासित हो रही है।
- स्वच्छता से छात्राओं का स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास हो रहा है।
- सभी स्कुल की छात्र का स्वच्छता से जुड़ाव हुआ है।

विद्यालय शौचालय जल सुविधा सहित का निर्माण कार्य



ONGC के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) कार्यक्रम के तहत बोकारो जिले के केन्द्रिय विद्यालय नं. 03, बोकारो स्टील सिटी– 827010 में छात्र–छात्राओं के लिए विद्यालय शौचालय जल सुविधा सहित निर्माण कार्य किया गया। ओएनजीसी सीबीएम बोकारो द्वारा केंद्रीय विद्यालय नंबर 3 में निर्मित शौचालय परिसर को छात्र. छात्राओं के लिए समर्पित किया गया। शौचालय का फीता काट कर उद्घाटन करते हुए ओएनजीसी के सीजीएम सह एसेट सपोर्ट मैनेजर बलवीर सिंह ने कहा कि कि स्वच्छता पखवाड़ा स्वच्छ भारत अभियान मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण पहल है । और सरकारी कार्यालयों के लिए अपने कर्मचारियों आगंतुकों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रदान करना अनिवार्य है। उन्होंने लोगों को अच्छी स्वच्छता प्रथाओं के गुणों के बारे में शिक्षित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और सभी से अपने कार्यस्थलों को साफ करने के लिए विशेष अभियान चलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ओएनजीसी बोकारो हर साल इस कार्यक्रम का आयोजन करता है। और बताया कि पखवाड़े के दौरान अधिक से अधिक पेड़ लगाने, साफ सफाई, कचरे का निपटान, परिसर की सफाईए शौचालय, जल स्रोतों

की सफाई, पॉलिथीन के खिलाफ अभियान का कार्य किया जाता है। ओएनजीसी बोकारो के सीएसआर मद से अभिवंचित वर्ग के लिए शौचालय पेयजल एवं स्वच्छता हेतु विशेष जोर दिया जा रहा है।

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिन्हा ने कहा कि भारत सरकार के स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए हम सभी पर्याप्त हैं। ओएनजीसी के सीजीएम मानव संसाधन दयानंद कांडुलना ने कहा कि ओएनजीसी के द्वारा बोकारो जिले में आम लोगों के लिए स्वच्छता के साथ.साथ मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भी सीएसआर परियोजनाएं संचालित है जिसका लाभ लोगो को मिल रहा है। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा कि संस्था के द्वारा स्वच्छता के लिए स्कूलों में शौचालय निर्माण के साथ.साथ स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है । कार्यक्रम के दौरान ओएनजीसी के सीनियर मानव संसाधन एक्सक्यूटिव अवि गार्डलिंग शिक्षक विजय भारती, सहयोगिनी के रवि कुमार राय, सोनी कुमारी ,अनिल कुमार हेंब्रम आदि इस दौरान उपस्थित थे।

पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमः



सहयोगिनी द्वारा उच्च विद्यालय तालगरिया में स्विच ऑन फाउंडेशन कोलकत्ता के सौजन्य से धुंआ रहित और प्रदूषण रहित दिवाली मनाने हेतु जागरूकता के लिए रंगोली और चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे छात्राओं ने प्राकृतिक रंगोली के तहत पेड़ पौधों के फल, फूल ,पत्तियों ,मिट्टी और पत्थरो से बहुत ही आकर्षक रंगोली बनाई जिसे सभी अतिथियों और विद्यालय परिवार ने काफी सराहना किया । इस दौरान छात्र छात्राओं ने वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बहुत ही सुंदर चित्रकारी किया । विद्यालय के प्राचार्य श्री बी मांझी एसंस्था के समन्यवक रवि कुमार राय ने सभी बच्चो को प्रदूषन रहित दिवाली मनाने और उच्चतम न्यायालय तथा झारखंड सरकार के आदेश के बारे में बताया कि दिवाली को रात आठ बजे से लेकर रात दस बजे तक ही ग्रीन पटाखा का उपयोग करना है। इस दौरान विद्यालय के छात्राओं ने शपथ लिया कि इस वर्ष प्रदूषण मुक्त दीवाली मनाने का कार्य करेंगे। इसी प्रकार मध्य विद्यालय तालगरिया सिलफॉर, बाटबिनोर में प्रदूषण मुक्त दीवाली मनाने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूली छात्रों ने रंगोली बनाकर ग्रीन दिवाली मनाने का लिया संकल्प।

सहयोगिनी द्वारा बहादुरपुर मध्य विद्यालय में स्विच ऑन फाउंडेशन कोलकत्ता के सहयोग से से धुंआ और प्रदूषण रहित दिवाली मनाने हेतु जागरूकता हेतु रंगोली और चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे छात्राओं ने प्राकृतिक रंगोली के तहत से बहुत ही आकर्षक रंगोली बनाई । जिसे सभी अतिथियों और विद्यालय परिवार ने काफी सराहना किया । इस दौरान छात्र छात्राओं ने वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बहुत ही सुंदर चित्रकारी किया । इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य श्री गंगाराम रवानी ने कहा कि दीपावली हमारे समाज में एक पारंपरिक त्यौहार है इसे स्वच्छ एवं सुंदर तरीके से मनाने की आवश्यकता है ज्यादा प्रदूषण फैलाने से लोगों को काफी परेशानी होती है। जिस पर हमें ध्यान देने की जरूरत है उन्होंने कहा कि रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त दीवाली मनाने का संदेश दिया जा रहा है। सहयोगिनी के समन्यवक रवि कुमार राय ने सभी बच्चो को प्रदूषन रहित दिवाली मनाने और उच्चतम न्यायालय तथा झारखंड सरकार के आदेश के बारे में बताया कि दिवाली रात आठ बजे से रात दस बजे तक ही ग्रीन पटाखा का उपयोग से मानना है।



इस दौरान विद्यालय के छात्राओं ने शपथ लिया कि इस वर्ष प्रदूषण मुक्त दीवाली मनाने का कार्य करेंगे।

सहयोगिणी का पहलः

- 05 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रखंड पेटरवार के ग्राम पंचायत पतकी मे गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए उस्मान अंसारी ने कहा कि जीवन को अगर बचाना है तो पर्यावरण का संरक्षण करना होगा। हम अपनी दैनिक जीवन मे थोड़ा बदलाव लाकर पर्यावरण का संरक्षण कर सकते है। आधुनिकीकरण के कारण पेड़ पौधे जंगल नदियां विलुप्त हो रही है। कार्यक्रम में अनिल मूर्मू , खेड़ाराम हेम्ब्रम, आदि उपस्थित हुए।

- **सहयोगिणी स्थापना दिवस** : 14 अप्रैल 2022 को स्वामी विवेकानंद सभागार बहादुरपुर में 22 वां सहयोगिणी स्थापना दिवस मनाया गया।, सहयोगिणी सचिव कल्याणी सागर व संस्था से जुड़े सदस्य उपस्थित हुए। कल्याणी सागर ने संस्था से जुड़े सदस्यो आभार व्यक्त किया कि सभी के सहयोग से संस्था ने अपना 15 वर्षो का कार्यकाल पूरा कर लिया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओ को सॉल देकर सम्मानित किया गया।

हमारे सामाजिक सरोकार

❖ **औपरेशन स्माईलः** ऑपरेशन स्माईल के तहत इन्गा मुबई के सहयोग से बोकारो तथा गिरिडीह जिले में तालु एवं ओठ कटे बच्चों एवं सभी उम्र लोगो के लिए ऑपरेशन हेतु कैम्प क आयोजन किया गया। इस दौरान इस वर्ष 51 बच्चों का सफलता पेर्वक ऑपरेशन दुर्गापुर अस्पताल में करवाया गया।

❖ **शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 :** 10 नवम्बर 2022 का सामुदायिक भवन खैराचातर में शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 45 स्टेक होल्डर, स्कुल प्रबंधन समिति व बच्चों नें भाग लिया। मौके पर परियोजना समन्वयक रवि कुमार ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के बारे म जानकारी प्रदान की

❖ **ऑपरेशन रेड अलर्टः**



सहयोगिनी एवं ऑपेरशन रेड अलर्ट अभियान के तहत सुरक्षित गाँव कार्यक्रम का आयोजन बोकारो के 24 गांवों में किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्रामीणों को बाल दुर्व्यवहार, ट्रैफिकिंग, मानव तस्करी पर रोक लगाने हेतु लोगों किशोरियों, महिलाओं एवं युवाओं को तैयार करने और साथ ही साथ बाल अधिकार अधिकारों के बारे में बच्चों व समुदाय के लोगों को जानकारी दी गयी इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संस्था निदेशक गौतम सागर ने कहा कि बालिका तस्करी एवं बच्चों से जुड़े किसी भी तरह की समस्या होने पर ऑपरेशन रेड अलर्ट या चाइल्ड लाइन के टॉल फ्री नंबर पर सूचना दें। उन्होंने बताया कि बच्चों को सुरक्षित माहौल देने के लिए समाज के सभी तबके सहित अभिभावक एवं स्टेकहोल्डर्स का दायित्व है कि बच्चों को बेहतर अवसर प्रदान करें। बच्चों की हर जरूरतों पर अभिभावक खुलकर बातचीत करें। इस दौरान बाल अधिकार बहाल करने को लेकर चार्ट एवं कॉमिक्स के माध्यम से जानकारी दी गई। उन्होंने बाल अधिकारों पर चर्चा करते हुए कहा कि हम सभी गरीब हो या अमीर सभी को बच्चों के मामलों में काफी संवेदनशील रहने की जरूरत है। कोविड महामारी के इस दौर में बाल विवाह तथा बाल हिंसा की घटनाओं में काफी इजाफ़ा हुआ है।

❖ **सूचना का अधिकार अधिनियमः**

सुचना का अधिकार अधिनियम को सशक्त बनाने के लिए जरीडीह प्रखंड प्रखंड ग्राम पंचायत बारू में 12 अक्टूबर 2023 कों गोष्ठी का आयोजन किसा गया। रिसोर्स पर्सन ुलाब चंद्र ने कहा कि जनहित में

सूचना का अधिकार का उपयोग करना चाहिए। उन्होने आगे कानून के बासरे में जानकारी प्रदान की। बैजनाथ नायक ने सूचना अधिकार के तहत पाये गये सूचना के बारे में जानकारी दी गई।

❖ **विश्व मानवाधिकार दिवस** :

इस अवसर पर सहयोगिणी खैराचातर कसमार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मुखिया विजय कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान में इंसान को कई प्रकार के संवैधानिक अधिकार दिये है। अधिकारो जब हनन हो तो आवाज उठाये। निदेशक गौतम सागर ने कहा कि हम मानव को जीने का अधिकार है एवं बुनियादी सुविधा उन्हे मिलनी चाहिए। काय्रक्रम में 40 लोग एचस्थित थे।

कृषि कार्यक्रम

किसान क्लब संचालन : नाबार्ड के सहयोग से कसमार, जरीडीह व पेटरवार प्रखंड मे संचालित किसाने क्लबो के साथ लगातार बैठक का आयोजन कर कृषको को नई नई तकनीको के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिससे कृषि को बढ़ावा मिल सके।

स्वास्थ्य कार्यक्रम

- ## पोषाहार दिवस

  01 से 07 सितम्बर 2023 कसमार प्रखंड में संचालित स्वंय सहायता समूह के बीच पोषाहार दिवस मनाया गया। संबोधित करते हुए तपन कुमार अडडी ने कहा कि हम अपने स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए अपने खानपान पर ध्यान देने की जरूरत है। अपने नियमित भोजन मे हरे साग सब्जी फल, दूध का सेवन करे।

.

- **निःशक्तता दिवस**

  03 दिसम्बर 2023 को गर्री में निःशक्तता दिवस मनाया गया। संबोधित करते हुए कल्याणी सागर सचिव ने कहा कि निःशक्तत व्यक्तियों को समान अधिकार मिलना चाहिए। ये हमारें एक अंग है, सभी को संगठित होकर अपनी आवाज को बुलंद करने की जरूरत है। तपन कुमार अडडी ने कहा कि निःशक्त व्यक्तियों को सभी विभागो में 03 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन:

बहादुरपुर स्थित सहयोगिनी संस्था के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कसमार प्रखंड के गर्रीए पोंडा सोनपुरा, कसमार समेत आसपास के कई पंचायतों से महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित थी। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष सुचित्रा देवीए सचिव कल्याणी सागरए मंजू देवी, कुमारी किरण, सूर्यमणी देवी, पुष्पा देवी समेत अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की अध्यक्ष सुचित्रा देवी ने कहा कि भले ही महिला दिवस के नाम पर साल में एक दिन का आयोजन हो, लेकिन महिलाओं का



सम्मान तो सालो भर होना चाहिए। जिस तरह हर रोज हम सभी देवी माता की पूजा करते हैंए उसी तरह हर रोज महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना लड़े अधिकार नहीं मिलेगाए इसलिए किसी भी तरह की परेशानी होने पर महिलाएं आवाज बुलंद करे। मुखर होकर बोलनेवाली महिलाओं को अक्सर समाजए घर परिवार के लोग दबाने की कोशिश करते हैं। कोई भी परेशानी हो तो बेझिझक निडर होकर अपनी बात रखे। इसके लिए बाहर निकलिए और पहचान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि देश मे महामहिम से लेकर हर छोटे बड़े सभी पदों में महिलाएं स्थापित होकर देश व राज्य का नाम रौशन कर रही है। इसलिए महिलाएं अपने को कमजोर न समझे। महिलाओं को आगे बढ़ाने में समाज के सभी पुरुषों का भी दायित्व है कि उन्हें मदद करे। सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि घर हो या बाहरए कहीं भी महिलाएं बेहिचक अपनी बातों को रख सके और समाज में अपनी वजूद के साथ अपनी पहचान स्थापित करेए इसके लिए समाज के सभी तबके को महिलाओं के प्रति सकारात्मक सोच रखना होगा। साथ हीं घरेलू हिंसा के कारण महिलाओं का शोषण काफी बढ़ा हैए जिससे हमें सचेत रहने की जरूरत है। इस दौरान नेतृत्व करने वाले किशोरियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी किरण ने किया। इस दौरान कोषाध्यक्ष सूर्यमुनी देवीएनिदेशक गौतम सागर, रवि कुमार राय, मिनिटी सिंहा, अशोक कुमार महतो, अनिल हेंब्रम, अंजू देवी, पायल कुमारी, नीतू कुमारी, अभय सिंह,सिमरन कुमारी, निक्की कुमारी, अंजली कुमारी, व अन्य महिला एवं किशोरी उपस्थित थी। इस दौरान किशोरियों द्वारा बाल विवाह पर एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।